KHELO INDIA COLLEGE GAME | Healthy INDIA | FIT INDIA

स्थापना वर्ष - 1958

Azadi Ka Amrit Mahotsav

महर्षि विश्वामित्र महाविद्यालय

बक्सर (बिहार)

(अंगीभूत इकाई वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा)

महर्षि विश्वामित्र वार्षिक खेल महोत्सव-2026

(29, 30, 31 जनवरी 2026)

शुभारंभ- 29 जनवरी 2026 माघ शुक्ल पक्ष एकादशी कालयुक्त संवत्सर विक्रम संवत 2082, शक संवत 1947 (विश्वावसु संवत्सर) एकादशी

दिन- गुरुवार, समय - 11 बजे | स्थान : महर्षि विश्वामित्र क्रीड़ांगण

आयोजक - महाविद्यालय परिवार

संरक्षक

प्रो. (डॉ.) शैलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी

माननीय कुलपति,
वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा

आयोजक

प्रो. (डॉ.) कृष्णा कान्त सिंह

प्रधानाचार्य
महर्षि विश्वामित्र महाविद्यालय, बक्सर

महर्षि विश्वामित्र वार्षिक खेल महोत्सव-2026

त्रिदिवसीय महोत्सव

अपना बक्सर

भारत वर्ष के बिहार राज्य के अन्तर्गत बक्सर ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण जिला रहा है जो बिहार के पश्चिमी भाग में गंगा नदी के तट पर अवस्थित (अक्षांस 25.5755° उत्तर एवं देशान्तर 83.9804° पूर्व) है। बक्सर की दूरी राज्य की राजधानी पटना से 130 किमी0 तथा वाराणसी से 132 किमी0 है।

बक्सर क्षेत्र प्राचीन काल से ही कला, संस्कृति, अध्यात्म, दर्शन, विद्या, शौर्य आदि का केन्द्र रहा है। जिसका उल्लेख वामन पुराण आदि प्राचीन भारतीय धर्म ग्रन्थों में मिलता हैं। इसके प्राचीन नामों में विश्वामित्र आश्रम, सिद्धाश्रम, वेद्गर्भपुरी, व्याघ्रपुर, व्याघ्रसर आदि मिलते हैं।

'महर्षि विश्वामित्र' संक्षिप्त परिचय

वाल्मीकि रामायण में वर्णित सिद्धाश्रम (पौराणिक नाम व्याघ्रसर वर्तमान में बक्सर) विश्वामित्र जी के सद्भाव से धन्य हो गई है। महर्षि ऋचीक द्वारा मंत्रपूत ब्रह्मतेजसम्पन्न पायस (खीर) जमदग्निपत्नी रेणुका द्वारा गाधि पत्नी को खिला देने से क्षत्रिय शरीर में ब्रह्मतेजसम्पन्न विश्वामित्र जी का जन्म हुआ था। ये ब्रह्मर्षि वशिष्ठजी से प्रतिस्पर्धा के क्रम में क्रमशः दक्षिण दिशा में तप करके 'राजर्षि पद' पश्चिम में तप करके देवोमय 'महर्षि पद', उत्तर दिशा में तप करके भगवान रूद्र से भूत, वर्तमान एवं भविष्य काल के सभी शस्त्रास्त्र एवं दिव्यास्त्र प्राप्त करके 'अपराजित' संज्ञा प्राप्त की। पुनः पूर्व दिशा में तप करके गायत्री मंत्र की सृष्टि में सन्निहित चौबीसों शक्तियों पर नियंत्रण और अधिकार के साथ – साथ ब्रह्माजी से बला और अतिबला नामक सिद्धियों के साथ ब्रह्मर्षि वशिष्ठ से ब्रह्मर्षि पद के साथ पूर्ण जितेन्द्रियता प्राप्त की। सिद्धाश्रम बक्सर मे विश्वहित – यज्ञ के रक्षा का व्रत लिए हुए भगवान श्रीराम की सेवा से प्रसन्न होकर विश्वामित्रजी ने श्रीराम को सरयू तट पर बला और अतिबला नामक सिद्धियों के साथ ही तीनों कालों के शस्त्रास्त्र एवं दिव्यास्त्र प्रदान किये, जिससे श्रीराम को गीता में ''रामःशस्त्रभृतामहम'' (सर्वकालीन शस्त्रधारी) की संज्ञा प्राप्त हुई। वाल्मीकि रामायण में राजर्षि जनक के राजपुरोहित शतानंदजी ने विश्वामित्रजी के विषय में श्रीराम से कहा है कि –

अचिन्त्यकर्मा तपसा ब्रह्मर्षिरमितप्रभः ।
विश्वामित्रों महातेजा वेद्म्येनं परमां गतिम् ।।
वाल्मीकि रामायण– 1/52/14

अर्थात् अपराजित ब्रह्मर्षि विश्वामित्र के कर्म अचित्य है, ये तपस्या से निरंतर असंतुष्ट रहते हुए क्रमशः सर्वोच्च ब्रह्मर्षि पद को प्राप्त हुए हैं। तप के प्रभाव से महातेजस्वी होने से वेदों में इनको 'महातेजा ऋषि' भी कहा गया है। इन्होंने परम प्राप्तव्य परमगति अथवा परमतत्त्व को प्राप्त कर लिया है।

अतः हे श्रीराम! आप परम भाग्यशाली हैं क्योंकि आपको ब्रह्मर्षि विश्वामित्र महामुनि जी का आश्रम और संरक्षण प्राप्त हुआ है।

छात्र जीवन में खेल का महत्व

खेल छात्र जीवन का एक अभिन्न अंग है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में खेल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। केवल पुस्तकीय ज्ञान ही नहीं, बल्कि शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और नैतिक विकास के लिए खेल-कूद आवश्यक है। वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक एवं तनावपूर्ण वातावरण में खेल का महत्व और भी बढ़ गया है। खेल तनाव और चिंता को कम करता है। इससे एकाग्रता, आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है। खेल खेलने से मन प्रसन्न रहता है और मानसिक संतुलन बना रहता है।

खेल से शरीर स्वस्थ, सशक्त एवं सक्रिय रहता है। नियमित खेल गतिविधियाँ मांसपेशियों को मजबूत बनाती हैं, सहनशक्ति बढ़ाती हैं तथा रोग-प्रतिरोधक क्षमता को विकसित करती हैं। इससे मोटापा, आलस्य एवं कई शारीरिक रोगों से बचाव होता है।

खेल के माध्यम से विद्यार्थियों में टीम वर्क, सहयोग, अनुशासन, नेतृत्व, ईमानदारी एवं खेल-भावना का विकास होता है। हार-जीत को समान रूप से स्वीकार करना जीवन के संघर्षों का सामना करना सिखाता है। अनेक शोधों से सिद्ध हुआ है कि खेल-कूद में भाग लेने वाले विद्यार्थी पढ़ाई में भी बेहतर प्रदर्शन करते हैं। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है, जो अध्ययन में रुचि और दक्षता बढ़ाता है।

आज के डिजिटल युग में विद्यार्थी मोबाइल, कंप्यूटर एवं इंटरनेट पर अधिक समय व्यतीत करते हैं, जिससे शारीरिक निष्क्रियता और मानसिक समस्याएँ बढ़ रही हैं। ऐसे में खेल-कूद विद्यार्थियों को सक्रिय, ऊर्जावान और संतुलित जीवन जीने के लिए प्रेरित करता है। नई शिक्षा नीति में भी खेल-कूद को शिक्षा का अनिवार्य अंग माना गया है, जो इसकी बढ़ती प्रासंगिकता को दर्शाता है।

आज खेल-कूद एक सफल करियर का माध्यम भी बन चुका है। खिलाड़ी देश का नाम रोशन करते हैं और युवाओं को प्रेरणा देते हैं। स्वस्थ युवा ही सशक्त राष्ट्र की नींव होते हैं।

खेल-कूद जीवन को संतुलित, स्वस्थ और आनंदमय बनाता है। इसलिए पढ़ाई के साथ-साथ खेल-कूद को भी समान महत्व देना चाहिए, ताकि शारीरिक और मानसिक विकास पूर्ण रूप से हो सके।

महर्षि विश्वामित्र वार्षिक खेल महोत्सव–2026 में आयोजित होने वाले खेल सारणीयन

		आयोजन स्थल
1.	एथलेटिक्स	
A.	100 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता	क्रीड़ा प्रांगण
B.	200 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता	क्रीड़ा प्रांगण
C.	400 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता	क्रीड़ा प्रांगण
D.	800 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता	क्रीड़ा प्रांगण
E.	1500 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता	क्रीड़ा प्रांगण
F.	ऊँची कूद प्रतियोगिता	क्रीड़ा प्रांगण
G.	लम्बी कूद प्रतियोगिता	क्रीड़ा प्रांगण
H.	गोला फेक प्रतियोगिता	क्रीड़ा प्रांगण
I.	100X4 दौड़ प्रतियोगिता	क्रीड़ा प्रांगण
J.	400X4 दौड़ प्रतियोगिता	क्रीड़ा प्रांगण
K.		क्रीड़ा प्रांगण
2.	बालीवॉल	क्रीड़ा प्रांगण
3.	खो – खो	क्रीड़ा प्रांगण
4.	कबड्डी	क्रीड़ा प्रांगण
5.	बुशु	क्रीड़ा प्रांगण
6.	बैडमिंटन	कोर्ट परिसर
7.	शतरंज	क्रीड़ा प्रांगण

मागदर्शक मण्डल

प्रो० (डॉ.) राजेश कुमार
डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह

वार्षिक खेल महोत्सव की आयोजन समिति

प्रो० (डॉ.) कृष्णा कान्त सिंह – अध्यक्ष
डॉ. अवनीश कुमार पाण्डेय – क्रीड़ा सचिव
डॉ. रासबिहारी शर्मा – सदस्य
डॉ. भरत कुमार – सदस्य
डॉ. सुजित कुमार यादव – सदस्य
डॉ. पंकज कुमार चौधरी – सदस्य
डॉ. योगर्षि राजपूत – सदस्य
डॉ. अर्चना मिश्रा – सदस्य
डॉ. प्रीति मौर्या – सदस्य
डॉ. नवीन शंकर पाठक – सदस्य
डॉ. प्रिय रंजन – सदस्य
श्री विनायक दत्त पाठक – सदस्य
श्री चिन्मय प्रकाश झा – सदस्य
डॉ. अरविन्द कुमार सिंह – पी.टी.आई.
श्री शिवम भारद्वाज – सहायक

आय-व्यय समिति

डॉ. योगर्षि राजपूत – समन्वयक
डॉ. सैकत देबनाथ – सदस्य
डॉ. नवीन शंकर पाठक – सदस्य

खेल मैदान, पीच निर्माण, लाईट एण्ड साउण्ड समिति

- डॉ. नवीन शंकर पाठक – समन्वयक
- डॉ. प्रिय रंजन – सदस्य
- डॉ. नवी रंजन – सदस्य
- डॉ. अमित कुमार मिश्रा – सदस्य
- डॉ. शिवम भारद्वाज – सदस्य
- डॉ. अरविन्द कुमार सिंह – पी.टी.आई.
- श्री सुनिल कुमार – सदस्य
- श्री सुमित कुमार पाठक – सदस्य
- श्री राजेश कुमार पाण्डेय – सदस्य

निमंत्रण, ब्रोसर, आई.डी. कार्ड एवं बैच समिति

- डॉ. रासबिहारी शर्मा – समन्वयक
- डॉ. श्वेत प्रकाश – सदस्य
- डॉ. रवि प्रभात – सदस्य
- डॉ. राकेश तिवारी – सदस्य
- डॉ. अर्चना कुमारी – सदस्य
- डॉ. सीमा द्विवेदी – सदस्य
- डॉ. नवीन शंकर पाठक – सदस्य
- डॉ. निशान्त कुमार – सदस्य
- श्री चिन्मय प्रकाश झा – सदस्य
- श्री शैलेन्द्र नाथ पाठक – सदस्य
- श्री संतोष कुमार – सदस्य
- मो0 नौशाद अंसारी – सदस्य

स्वागत समिति

- डॉ. पंकज कुमार चौधरी – समन्वयक
- डॉ. सुजित कुमार यादव – सदस्य
- डॉ. विरेन्द्र कुमार – सदस्य
- डॉ. अर्चना मिश्रा – सदस्य
- डॉ. सुमन श्रीवास्तव – सदस्य
- श्री अमरेन्द्र कुमार शुक्ला – सदस्य
- श्री जितेन्द्र कुमार – सदस्य

मंच संचालन समिति

- डॉ. छाया चौबे – समन्वयक
- डॉ. प्रिय रंजन चौबे – सदस्य

सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति

- डॉ. प्रीति मौर्या – समन्वयक
- डॉ. विरेन्द्र कुमार – सदस्य
- डॉ. अर्चना पाण्डेय – सदस्य
- डॉ. सीमा कुमारी – सदस्य

अनुशासन समिति

- डॉ. सैकत देवनाथ – समन्वयक
- डॉ. विरेन्द्र प्रसाद – सदस्य
- डॉ. रवि कुमार ठाकुर – सदस्य
- डॉ. ओम प्रकाश आर्या – सदस्य
- डॉ. आलोक चतुर्वेदी – सदस्य
- डॉ. अमित कुमार मिश्रा – सदस्य
- श्री अरविन्द कुमार – सदस्य
- श्री यथार्थ राज – सदस्य
- डॉ. शैलेन्द्र कुमार – सदस्य
- डॉ. अशोक कुमार – सदस्य
- श्री अभय कुमार मिश्रा – सदस्य
- श्री राजीव रंजन कुमार – सदस्य
- श्री अरूण ओझा – सदस्य
- श्री मधुसुदन – सदस्य
- श्री टुनटुन मिश्रा – सदस्य
- श्री ब्रजेश कुमार – सदस्य

आल्पाहार वितरण समिति

- डॉ. दीपक कुमार शर्मा – समन्वयक
- डॉ. विभा श्रीवास्वत – सदस्य
- डॉ. आदित्य सिंह – सदस्य
- डॉ. अमन कुमार सिंह – सदस्य
- डॉ. शशिकला – सदस्य
- डॉ. विकास कुमार राणा – सदस्य
- श्री शान्ति कुमारी देवी – सदस्य
- श्री मुन्नी देवी – सदस्य
- श्री सुरेश सिंह – सदस्य

मेडल एवं प्रमाण-पत्र वितरण समिति

- डॉ. भरत कुमार – समन्वयक
- डॉ. अमृता कुमारी – सदस्य
- श्री प्रियेश रंजन – सदस्य
- डॉ. इसरार आलम – सदस्य
- डॉ. अनुराग श्रीवास्तव – सदस्य
- श्री विनायक दत्त पाठक – सदस्य
- श्री हरगोविन्द सिंह – सदस्य
- श्री रंजू देवी – सदस्य
- श्री अनिल कुमार – सदस्य

आपातकालीन राहत समिति

- डॉ. जय प्रकाश – समन्वयक
- श्री अनन्त कुमार – सदस्य
- श्री धर्मेन्द्र कुमार – सदस्य
- श्री संतोष कुमार – सदस्य
- श्री विनोद कुमार चौधरी – सदस्य
- श्री भगवान सिंह यादव – सदस्य

शिकायत निवारण समिति

- डॉ. अरविन्द वर्मा – समन्वयक
- डॉ. अमृता कुमारी – सदस्य
- डॉ. प्रिय रंजन चौबे – सदस्य

प्रेस विज्ञप्ति समिति

- डॉ. नवीन शंकर पाठक – समन्वयक
- डॉ. प्रिय रंजन – सदस्य

क्रीड़ा सचिव

क्रीड़ा सचिव
डॉ0 अवनीश कुमार पाण्डेय की कलम से

वैदिक काल से लेकर आधुनिक काल तक खेलों की भूमिका मानव जीवन में महत्वपूर्ण रही है। गीता के कर्मयोग में भी खेल की प्रतिध्वनि सुनाई देती है ,जहां मानव को खिलाड़ी और जीवन को खेल प्रांगण माना गया हैं। भगवान श्री कृष्ण गीता में कर्मयोग के माध्यम से निष्काम भाव से जीवन रूपी खेल प्रांगण में भाग लेने के लिए अर्जुन के माध्यम से सभी मनुष्यों को प्रेरित करते हैं।आज आवश्यकता इस बात की है कि सभी मनुष्य हार जीत की चिंता से मुक्त हो कर जीवन के खेल महोत्सव में पूरी ईमानदारी से भाग ले। खेलों से आध्यात्मिक विकास के साथ साथ शारीरिक मानसिक सामाजिक एवं बौद्धिक विकास होता है। महर्षि विश्वामित्र खेल महोत्सव मे भाग लेने वाले सभी सुधीजनों ,अभिभावकों एवं छात्र छात्राओं को हार्दिक बधाई।।

प्रधानाचार्य
प्रो० (डॉ.) कृष्णा कान्त सिंह की कलम से-

महर्षि विश्वामित्र वार्षिक खेल महोत्सव-2026

''शक्ति, साहस और संयम का महासंगम''

शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं हैं बल्कि यह व्यक्ति के सार्वांगीण विकास की एक निरंतर प्रक्रिया है। इसी उद्देश्य को साकार करने के लिए हमारे महाविद्यालय में महर्षि विश्वामित्र वार्षिक खेल महोत्सव 2026 का आयोजन किया गया है। महर्षि विश्वामित्र जो संकल्प और पुरुषार्थ के प्रतीक हैं, उनके नाम पर समर्पित यह खेल महोत्सव हमारे छात्र/छात्राओं के भीतर छिपी प्रतिभा को निखारने का एक सरल मंच सिद्ध होगा। इस महोत्सव में आयोजित होने वाले विभिन्न खेल स्पर्धाओं से छात्र/छात्राओं के साथ – साथ अभिभावकों में भी उत्साह का एक नया संचार होगा। एक तरफ जहाँ सभी युवा मोबाइल और इंटरनेट के आदि होते जा रहे हैं और अपने समय का सबसे ज्यादा समय स्क्रीन पर दे रहे हैं। जिससे उनके स्वास्थ पर प्रतिकूल असर भी पड़ रहा है। सामाजिक गतिविधियों से जुड़े रहने के लक्ष्य को केन्द्रित करते हुए इस महोत्सव का आयोजन किया गया है। जिसमें विभिन्न प्रकार के स्पार्धाओं का आयोजन होगा। जैसे– दौड़ प्रतियोगिता जिसमें गति और सहनशक्ति की परीक्षा ली जाती है। वहीं लम्बी कूद और ऊँची कूद के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी सीमाओं को लाघने का साहस दिखाता है। गोला फेंक जैसे स्पर्धाओं में शारीरिक बल और तकनीक का तालमेल दिखता है। इस महोत्सव में सांस्कृतिक और आधुनिक खेलों को भी समाहित किया गया है। भारत की मिट्टी से जुड़े खेल कबड्डी और कुश्ती हमें अपनी जड़ों की याद दिलाता है। इन खेलों में न केवल शारीरिक शक्ति बल्कि तीव्र रणनीतिक कौशल का भी प्रदर्शन होता है। दूसरी तरफ वैडमिंटन फुर्ती और वुशु (Wushu) जैसी मार्शल आर्ट विद्यार्थी ने यह प्रदर्शित करता है कि एकाग्रता सारे मानसिक अनुशासन की जड़ है।

महर्षि विश्वामित्र ने जिस प्रकार अपनी तपस्या से नई सृष्टि की रचना कर सामर्थ्य प्राप्त किया था। उसी प्रकार मैं चाहता हूँ कि मेरे विद्यार्थी भी खेल के मैदान में वही संकल्पशक्ति लेकर जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़े। खेल में जीतना महत्वपूर्ण है लेकिन खेल भावना के साथ लड़ना उससे भी बढ़कर है।

मैं उन सभी प्रतिभागियों को बधाई देता हूँ जिन्होंने महर्षि विश्वामित्र वार्षिक खेल महोत्सव में भाग लेने के लिए अपना पंजीयन करवाया है।

खेल केवल मनोरंजन नहीं बल्कि अनुशासन और खेल भावना सीखने की पाठशाला है।

विजयी भवः !

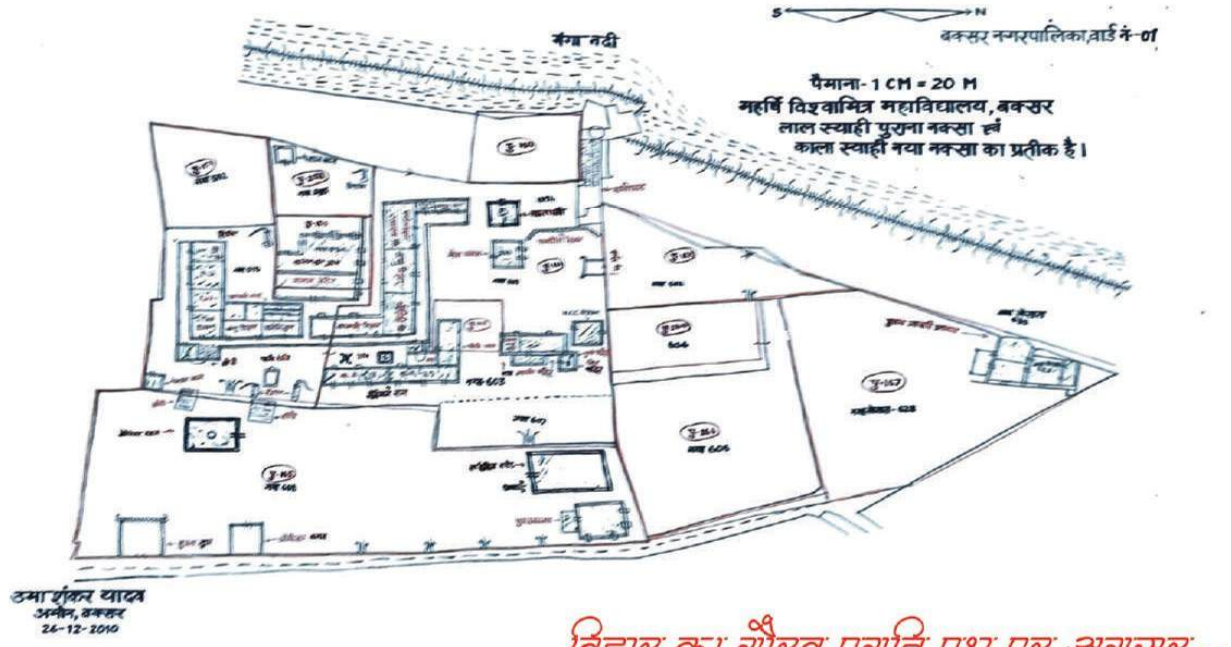

बिहार का गौरव प्रगति पथ पर अग्रसर...

महर्षि विश्वामित्र महाविद्यालय

बक्सर (बिहार) - 802101

(अंगीभूत इकाई वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा)

Printed by : Purvanchal Printing Press, Buxar